रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

साझीदार बने रहेंगे

विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने अफ्रीकी देशों को आश्वस्त किया कि भारत उनका विश्वसनीय साझीदार बना रहेगा। पेज 17

गंगाजल के कारोबार पर कानून बनेगा पेज 12 ▮ पांड्या, राहुल को जांच लंबित रहने तक खेलने की अनुमति मिले:बोर्ड पेज 18

रविवार, 20 जनवरी 2019, लखनऊ , पांच प्रदेश, 21 संस्करण, नगर संस्करण

www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान लखनऊ Sunday LIVE

रविवार, 20 जनवरी 2019

स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेसः कुम्भ के दौरान निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा का पता लगाया जाएगा

कुम्भ के वैज्ञानिक पहलुओं पर अब शोध होगा

कमेटी गठित

लखनऊ | प्रमुख संवाददाता

प्रयागराज में लगे कुम्भ के वैज्ञानिक पहलुओं पर राजधानी के वैज्ञानिक शोध करेंगे। कुम्भ से जुड़ी आस्था, विश्वास, भक्ति व आध्यात्म का कारण जानेंगे। मकर संक्रांति से शिवरात्रि तक सूर्य व चंद्रमा से निकलने वाली किरणें और उसका प्रयागराज की धरती से क्या जुड़ाव है, यह पता लगाएंगे।

इसके लिए स्कूल आफ मैनेजमेंट साइंसेज (एसएमएस) के वैदिक विज्ञान केन्द्र ने कमेटी गठित की है। प्रयागराज पृथ्वी का केंद्र बिंदु वैदिक विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष व एसएमएस के महानिदेशक प्रो. भरत राज सिंह का कहना है कि जब समुद्री सतह के नजदीक चंद्रमा दिन-रात के 24 घंटे में एक बार गुजरता है तो ज्वारभाटा आता है। पृथ्वी से जब कोई राकेट चंद्रमा या अन्य ग्रहों पर भेजा जाता है तो पृथ्वी की कक्षा से उस ग्रह के कक्षा में प्रवेश के लिए बूस्टर का उपयोग होता है। इसी तरह जब सूर्य और चंद्रमा एक साथ मकर राशि में प्रवेश करते हैं तो एक ऊर्जा जरूर निकलती होगी। प्रयागराज पृथ्वी का केन्द्र बिंदु है। लिहाजा यहां ऊर्जा का ज्यादा प्रभाव पड़ता होगा। उसी ऊर्जा के कारण देश-विदेश से लोग बिना किसी आमंत्रण हजारों वर्ष से खिंचे चले आ रहे हैं।

अथर्व वेद में कुम्भ की ऊर्जा का जिक्रः उन्होंने कहा कि अथर्व वेद में प्रयागराज के कुम्भ का जिक्र है। अथर्व वेद के अध्याय 19/53/3 में कहा गया है कि 12 वर्ष वित्तीय परिक्रमण के बाद 13वें वर्ष में बृहस्पति के दोबारा मेष राशि में आने व सूर्य व चंद्रमा के मकर राशि में प्रवेश करने पर प्रयाग में कुम्भ पर्व मनाया जाता है।

प्रो. सिंह ने कहा कि यह ऐसी ऊर्जा हो सकती है जो लोगों में खिंचाव पैदा करती है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अंग्रेजी हुकूमत ने कुम्भ में किसी तरह की व्यवस्था न करने से हाथ खड़ा कर दिया था। इसके बावजूद लाखों लोग प्रयागराज पहुंच गए थे।

अन्य कालेजों को जोड़ने की मांग

प्रो. भरतराज ने कहा कि वैदिक विज्ञान केन्द्र ने इस ऊर्जा पर शोध करने का फैसला किया है। शिक्षकों व विद्यार्थियों की एक टीम गठित की गयी है। संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शरद सिंह ने एकेटीयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक व तकनीकी व चिकित्सा शिक्षा मंत्री आशुतोष टण्डन से शोध के लिए सहमति देने व अन्य कालेजों को जुड़ने के लिए निर्देश देने की मांग की है।